माँगने की आदत जाती नहीं (जैसा चाहो मुझको समझना) | By Mukesh Bagda

जैसा चाहो मुझको समझना
बस इतना ही तुमसे कहना
मांगने की आदत जाती नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं

बड़े बड़े पैसे वाले भी तेरे द्वारे आते है
मुझको है मालूम के वो भी तुझसे मांग के खाते हैं
देने में तू घबराता नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं
जैसा चाहो.........

तुमसे बाबा शर्म करूँ तो और कहाँ मैं जाऊँगा
अपने इस परिवार का खर्चा बोल कहाँ से लाऊंगा
दुनिया तो बिगड़ी बनाती नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं
जैसा चाहो.........

तू ही करता मेरी चिंता खूब गुज़ारा चलता है
कहे पवन के तुझसे ज्यादा कोई नहीं कर सकता है
झोली हर कहीं फैलाई जाती नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं
जैसा चाहो.........

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%97%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%a6%e0%a4%a4-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a4%b9%e0%a5%80%e0%a4%82-%e0%a4%9c%e0%a5%88/